SC

[A-16] No. of printed pages: 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
MA (Previous) (External) Examination
2015
Monday, 30th March
2.30 pm - 5.30 pm
HIN 401 - Hindi Paper I
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

कुल गुण : १००

प्र.१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । (२०)

(क) सब रग तंत रबाब तन, बिरह बजावै नित्त ।
और न कोई सुणि सकै, कै सांई कै चित्त ।।
हौं बिरह की लाकड़ी, समझि समझि धुधांउं ।
छूटि पड़ौ या बिरह तैं, जे सारी ही जलि जाउं ।।

अथवा

(क) चित्रा मित्र मीन घर आवा । पपिहा पीउ पुकारत पावा ।।
उआ अगस्त, हस्ति घन गाजा । तुस्य पलानि चढ़े रन राजा ।।
स्वाति बूँद चातक मुख परे । समुद सीप मोती सब भरे ।।
सरवर सँवरि हंस चलि आए । सारस कुलरहिं, खंजन देखाए ।।
भा परगास, काँस बन फूले । कंत न फिरे बिदेसहिं भूले ।।

(ख) निरगुन कौन देस कौ बासी ?
मधुकर कहि समुझाए सौंह दै, बूझतिं साँच न हाँसी ।।
को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी ?
कैसे बरन, भेष है कैसौ, किहिं रस मैं अभिलाषी ?
पावैगो पुनि कियौ आपनौ, जो रे करैगौ गाँसी ।।
सुनत मौन हवै रह्यौ बावरौ, सूर सबै मति नासी ।।

अथवा

(ख) जे पुर गाँव बसहिं मग माहीं । तिन्हहिं नाग सुर नगर सिहाहीं ।।
केहि सुकृति केहि धरीं बसाए । धन्य पुन्यमय परम सुहाए ।।
जहँ जहँ राम चरन चलि जाहीं । तिन्ह समान अमरावति नाहीं ।।
पुन्य पुंज मग निकट निवासी । तिन्हहिं सराहहिं सुरपुर बासी ।।

प्र.२ कबीर के प्रेम और भक्ति का निरूपण कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ विद्यापति के काव्य-सौंदर्य पर विचार कीजिए । (२०)

प्र.३ 'पद्मावत' के 'मानसरोदक खण्ड' की विशेषताएँ समझाइए । (२०)

अथवा

प्र.३ 'भ्रमरगीत' में सूर के वियोग श्रृंगार का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । (२०)

प्र.४ 'रामचरित मानस' में 'अयोध्याकांड' के महत्त्व की चर्चा कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.४ धनानंद की प्रेमव्यंजना का उद्‌घाटन कीजिए । (२०)

प्र.५ टिप्पणि लिखिए । (२०)

(अ) कबीर की काव्यभाषा

अथवा

(अ) सूरदास की गीत योजना

(ब) तुलसीदास का रचना-संसार

अथवा

(ब) धनानंद की काव्यभाषा

☺☺☺☺☺